



Ref: 226/2021
Dt- 13-7-2021

परमादरणीय मंत्री महोदय,

विषय:—मंत्रालय द्वारा संचालित "रोजगारयुक्त गांव योजना" एवं "सूक्ष्म, लघु उद्योग कलस्टर विकास कार्यक्रम" का संचालन मेरे विधान सभा क्षेत्र झंझारपुर जिला मधुबनी (बिहार) में कराने के संबंध में।

आपके सफल नेतृत्व एवं कार्यशैली को परखते हुये आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भरोसा के साथ महत्वपूर्ण मंत्रालय सूक्ष्म, लघु एवं उद्योग मंत्रालय का दायित्व सौंपा है जो आत्म निर्भर भारत की संकल्पना को पूरा करने में मुख्य भूमिका में है। भारत गांव का देश है जहां सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग स्थापित है जिसे समुचित सहायता एवं प्रोत्साहन आपके मंत्रालय के द्वारा प्राप्त होगा।

भारत की आत्मनिर्भरता में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की महती भूमिका है। 1990 के दशक के बाद भारत सर्विस एकोनामी बनकर उभरा उसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय की प्रमुख भूमिका रही है।

बिहार राज्य के मधुबनी जिलान्तर्गत मेरा विधानसभा क्षेत्र झंझारपुर एक पुराना अनुमंडल है। मिथिला क्षेत्र में झंझारपुर की एक अलग पहचान है। झंझारपुर इस्ट वेस्ट कोरिडोर (एन0एच0-57) के करीब है साथ ही पूर्वी एवं उत्तरी भारतीय राज्यों के विशाल बाजारों के निकट होने के कारण यह क्षेत्र उद्योग की दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है और रेल मार्ग की सुविधा भी उपलब्ध है। हाल ही में दरभंगा हवाई अड्डे से उड़ान सेवा शुरू होने से इस क्षेत्र को हवाई सुविधा भी मिली है।

शैक्षणिक दृष्टिकोण से झंझारपुर में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, के अंतर्गत ललित नारायण जनता महाविद्यालय एक अंगीभूत महाविद्यालय तथा जिला पॉलिटेक्निक कॉलेज कार्यरत है। झंझारपुर में ही कृषि विज्ञान केन्द्र भी स्थापित है। हाल ही में अनुमंडल स्तर पर आई0टी0आई0 का लोकार्पण हुआ है। झंझारपुर में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

मिथिला की धरती पान, माछ (मछली), मखान के लिए प्रसिद्ध है, जिसका जिक्र माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने बिहार दौरे पर अनेकों बार किया है। मधुबनी जिला नेपाल का सीमावर्ती क्षेत्र है। इस इलाके में बहुतायत मात्रा में तालाब, चौर आदि होने के कारण अधिक मात्रा में मछली का उत्पादन किया जाता है। मखान मिथिला की पहचान है जहां विश्व के 85 प्रतिशत मखान का उत्पादन होता है। यह वेलनेस फुड

श्रेणी में रखे जाने का मजबूत दावेदार है। मिथिला की विश्वविख्यात मधुबनी पेंटिंग, सिकी कला इस क्षेत्र की देन है तथा यहां की हस्तशिल्प एवं हथकरघा की भी एक अलग पहचान है। कृषि के क्षेत्र में उर्वर भूमि, जल की प्रचुरता एवं अनुकूल जलवायु में उन्नत होने के कारण कृषि आधारित सुक्ष्म एवं लघु उद्योग का यह प्रमुख केन्द्र बन सकता है।

झंझारपुर को "रोजगारयुक्त गांव योजना" में भी सम्मिलित हो जाने से इस क्षेत्र के गांव में रोजगार विकसित किया जा सकता है और ग्रामीण युवा का पलायन रुक सकता है साथ ही यदि "सुक्ष्म एवं लघु उद्योग कलस्टर विकास कार्यक्रम" के तहत झंझारपुर को कलस्टर सेंटर के रूप में विकसित कराया जाय तो यहां रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार की संभावना प्रचुर मात्रा में होगी। "आत्मनिर्भर भारत" में 'आत्मनिर्भर मिथिला' का भी योगदान हो सकता है।

अतः अनुरोध है कि झंझारपुर को "रोजगार युक्त गांव योजना" एवं सुक्ष्म लघु उद्योग कलस्टर विकास कार्यक्रम में शामिल करने हेतु समुचित विचार करना चाहेंगे।

सादर!

भवदीय

Nitish Mishra
(नीतीश मिश्रा) 13.7.21

सेवा में,

श्री नारायण टी० राणे जी,
माननीय मंत्री,
सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली।